കണ്ണൂർ ജില്ലാ പഞ്ചായത്ത് -ഡയറ്റ് കണ്ണൂർ
മുകളം സമഗ്ര വിദ്യാഭ്യാസ പദ്ധതി
എസ്.എസ്.എൽ.സി. മാതൃകാ പരീക്ഷ – 2021
ഹിന്ദി (A)

സമയം: 1½ മണിക്കൂർ ആകെ സ്കോർ: 40

निर्देश:

- पहले 20 मिटन के समय प्रश्नों का वाचन करें, मनपसंद प्रश्नों का चयन करें तथा उत्तर लिखने की तैयारी करें।
- सूचनाएँ ध्यान से पढ़ें और उत्तर लिखें।
- उत्तर लिखते समय अंक और समय पर ध्यान दें।
- *1 से 43 तक के प्रश्नों के लिए अधिकतम अंक 40 हैं।*

सूचना: 'बीरबहूटी' कहानी का यह अंश पढ़ें और 1 से 3 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

पाँचवीं कक्षा का रिज़ल्ट आ गया। दोनों छठी में आ गए। यह स्कूल पाँचवीं तक ही था।

1. बेला और साहिल का स्कूल किस कक्षा तक का था? 1
   उ: बेला और साहिल का स्कूल पाँचवीं कक्षा तक का था।
2. रिज़ल्ट आने पर दोनों दुखी थे। क्यों? 2
   उ: पाँचवीं का रिज़ल्ट आने पर साहिल और बेला दोनों पास हुए थे। लेकिन अगले साल दोनों अलग–अलग स्कूलों में जाने के कारण दोनों दुखी थे। क्योंकि उनका स्कूल पाँचवीं कक्षा तक का था।
3. इस प्रसंग पर **पटकथा** का एक दृश्य तैयार करें। 4
   उ:

दृश्य:

स्थान: स्कूल का मार्ग
समय: सुबह ग्यारह बजे।
पात्र: 1. बेला: दस–ग्यारह साल की लड़की। स्कूल यूनिफार्म में है, पीठ पर बस्ता है, बाल लाल रिबन से बँधे हैं।
2. साहिल: दस–ग्यारह साल का लड़का, स्कूल यूनिफार्म पहना है, पीठ पर बस्ता है।

बेला: साहिल अब तुम कहाँ पढ़ोगे?
साहिल: और तुम कहाँ पढ़ोगी बेला?
बेला: मेरे पापा कह रहे थे कि तुझे राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़ाएँगे। और तुम?
साहिल: मुझे अगले साल अजमेर भेज देंगे। वहाँ एक हॉस्टल है, घर से दूर वहाँ अकेला रहूँगा।
बेला: क्यों साहिल?
साहिल: पता नहीं क्यों?
बेला: यानी कि अब तुम फुलेरा में ही नहीं रहोगे?
साहिल: नहीं। तुम्हारा रिपोर्ट कार्ड दिखाना।
(दोनों एक दूसरे का रिपोर्ट कार्ड देखते हैं।)

सूचनाः 'बीरबहूटी' कहानी का यह अंश पढ़ें और प्रश्न 4 और 5 के उत्तर लिखें।

दीपावली की छुट्टियों के बाद जब स्कूल खुला तो बेला के सिर पर सफ़ेद पट्टी बाँधी थी।

4. बेला के सिर पर क्या हो गया था? 1
   उः छत से गिरकर बेला के सिर पर चोट लगी थी।
5. प्रस्तुत प्रसंग पर बेला और साहिल के बीच की **बातचीत** तैयार करें। 4
   उः

साहिलः (बड़े आश्चर्य से) अरे! यह क्या हो गया बेला? तुम्हारे सिर पर सफ़ेद पट्टी बँधी है।
बेलाः छत से गिर गई। बहुत दिन हो गए।
साहिलः तुम्हें दर्द लगता है क्या?
बेलाः ठीक हो रही हूँ। कोई बात नहीं। आज खेल घंटी में हम लंगड़ी टाँग खेलेंगे।
साहिलः नहीं खेलेंगे। तेरे सिर में फिर से लग जाएगी तो....?
बेलाः नहीं लगेगी। कुछ नहीं होगा। चलो, स्कूल जाएँ।
(दोनों स्कूल की ओर जाते हैं।)

सूचनाः 'हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था' टिप्पणी का यह अंश पढ़ें और 6 से 8 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

कविता के अर्थ इतने सहज और साफ़ हैं कि उन्हें व्याख्या की दरकार नहीं है। सरल शब्दों बाले वाक्य स्वयं ही अपना मर्म कह देते हैं।

6. यहाँ किसकी कविता के संबंध में कहा गया है? 1
   उः यहाँ विनोदकुमार शुक्ल की कविता के संबंध में कहा गया है।
7. कविता की विशेषताएँ क्या–क्या हैं? 2
   उः कविता के अर्थ सहज और साफ़ हैं, व्याख्या की आवश्यकता नहीं है। लिरिकल या गीतात्मकता का बोध खूबी के साथ आया है। यह कविता 'जानना' शब्द के रूढ़िग्रस्त अर्थ को पूरी तरह से बदल देती है। पहली दो पंक्तियों में ही कवि अपनी पूरी बात कह देता है।
8. 'दरकार' शब्द का अर्थ चुनकर लिखें। (विशेषता, आवश्यकता, व्याख्या) 1
   उः आवश्यकता

सूचनाः 'हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था' टिप्पणी का यह अंश पढ़ें और प्रश्न 9 और 10 के उत्तर लिखें।

सड़क पर घायल पड़े व्यक्ति को देखकर क्या हम कह सकते हैं कि उसे हम नहीं जानते।

9. घायल पड़े व्यक्ति को किसकी ज़रूरत होती है? 1
   उः घायल पड़े व्यक्ति को दूसरों की मदद की ज़रूरत होती है।
10. सड़क पर घायल पड़े अपरिचित व्यक्ति के प्रति हमारी प्रतिक्रिया कैसी होनी चाहिए?
    (प्रतिक्रिया – പ്രതികരണം) 2

उः घायल पड़े व्यक्ति को मदद की सख्त ज़रूरत होती है। उन्हें जल्दी ही अस्पताल पहूँचाना चाहिए। उस व्यक्ति से संबंधित जानकारी दूसरी बात होती है। सबसे पहले उसे अस्पताल पहुँचाना है।

सूचनाः कोष्ठक से उचित रूप चुनकर वाक्य की पूर्ति करें।

11. वह लड़का गोपाल का बेटा है। वे लड़के गोपाल ..... बेटे हैं। (का, के, की) 1

उः वे लड़के गोपाल के बेटे हैं।

सूचनाः 'हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था' टिप्पणी का यह अंश पढ़ें और प्रश्न 12 और 13 के उत्तर लिखें।

दो मनुष्यों के बीच मनुष्यता का अहसास यानी मानवीय संवेदना होना ज़रूरी है। जानकारियाँ ज़रूरी नहीं हैं।

12. यहाँ 'जानकारियाँ' क्या हैं? 1

उः यहाँ 'जानकारियाँ' किसी व्यक्ति के नाम, पता, जाति, ओहदा आदि का ज्ञान है।

13. इस प्रस्ताव से आप कहाँ तक सहमत हैं? 2

उः मैं इस प्रस्ताव से बिलकुल सहमत हूँ। हताशा, निराशा, असहायता या संकट में पड़े किसी के लिए दूसरों की सहायता बहुत महत्वपूर्ण होती है। उनकी जानकारियाँ प्राप्त करने से भी महत्वपूर्ण कार्य उनके प्रति मानवीय संवेदना होना, अनुतापपूर्ण व्यवहार होना आदि होता है।

सूचनाः 'टूटा पहिया' कविता का यह अंश पढ़ें और प्रश्न 14 और 15 के उत्तर लिखें।

मैं
रथ का टूटा पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत!

14. टूटे पहिये के प्रति लोगों का मनोभाव क्या होता है? 1

उः प्रायः टूटे पहिए को लोग अनुपयोगी मानकर फेंक देते हैं।

15. कविता की **प्रासंगिकता पर टिप्पणी** लिखें। 4

उः

मत फेंको, टूटे पहिए को

'टूटा पहिया' हिंदी के प्रसिद्ध कवि धर्मवीर भारती की एक अच्छी कविता है। इस कविता के द्वारा कवि लघु मानव की प्रधानता पाठकों के सामने प्रस्तुत करते हैं।

कवि इस कविता में महाभारत के एक पौराणिक प्रसंग का सहारा लेते हैं। चक्रव्यूह को भेदकर अभिमन्यु उसमें प्रवेश करता है और फँस जाता है। कौरव पक्ष के सभी महायोद्धा एकसाथ मिलकर अभिमन्यु पर आक्रमण करते हैं। उसके घोड़े, रथ, हथियार– सब नष्ट कर देते हैं। तब उसे रथ का एक टूटा पहिया ही एकमात्र सहारा बन जाता है। इस टूटे पहिए की सहायता से वह उन महारथियों से थोड़ी देर के लिए अपनी रक्षा करता है और अंत में मारा जाता है।

यहाँ एक सारहीन या तुच्छ टूटा पहिया ही वीर योद्धा अभिमन्यु के लिए सहायक बनता है। इसी प्रकार समाज के तुच्छ माने जानेवाले मानव भी क्रांति (विप्लव) के वाहक बन सकते हैं और

सामाजिक परिवर्तन संभव करा सकते हैं। अतः हमें यह मानना चाहिए कि समाज के तुच्छ माने जानेवाली बातें भी कभी–न–कभी बड़ी सहायक हो सकती हैं।

वर्तमान समाज में भी तुच्छ माने जानेवाले मानव का महत्वपूर्ण स्थान है। सच्चे प्रजातंत्र में कोई भी व्यक्ति तुच्छ नहीं होता। शासन का निर्णय भी उसके हाथों से हो सकता है। याने यह कविता बिलकुल अच्छी और प्रासंगिक है।

(पाठक – വായനക്കാർ, हथियार - ആയുധങ്ങൾ फँसना – കുടുങ്ങുക, सहारा – ആശ്രയം, सामाजिक परिवर्तन – സാമൂഹ്യമാറ്റം, प्रजातंत्र – ജനാധിപത്യം)

सूचनाः 'आई एम कलाम के बहाने' फ़िल्मी लेख का यह अंश पढ़ें और प्रश्न 16 और 17 के उत्तर लिखें।

वही मोरपाल जिसको मेरे खाने के डिब्बे में राजमा देखते ही बाँछें खिल जाती थीं। हमारा सौदा था खेल घंटी में खाने के अदला–बदली का।

16. 'बाँछें खिलना' का मतलब है .....। (बहुत उदास होना, बहुत क्रुद्ध होना, बहुत खुश होना) 1

उः बहुत खुश होना

17. यहाँ खाने की अदला–बदली कैसी होती थी? 2

उः मोरपाल एक गरीब परिवार का लड़का था और उसे अपने घर में राजमा जैसी चीज़ें नहीं मिलती थीं। लेकिन मिहिर एक अमीर परिवार का लड़का था और उसे राजमा जैसी चीज़ें सामान्य थीं। मिहिर को छाछ बहुत पसंद था। इसलिए खेलघंटी में मिहिर मोरपाल का छाछ लेता था और मोरपाल मिहिर का राजमा–चावल लेता था।

सूचनाः 'आई एम कलाम के बहाने' फ़िल्मी लेख का यह अंश पढ़ें और 18 से 20 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

मैं आज तक नहीं जान पाया कि कैसे वह उस छाछ के डिब्बे को रोज़ पन्द्रह किलोमीटर बिना ज़रा भी छलकाए लिए आता था?

18. मोरपाल कैसा लड़का था? (गरीब, आलसी, धनिक) 1

उः गरीब

19. मोरपाल कितनी दूर से स्कूल आता था? वह कैसे स्कूल आता था? 2

उः मोरपाल स्कूल से पंद्रह किलोमीटर दूर के किसी गाँव से आता था। वह साइकिल चलाकर स्कूल आया करता था।

20. मोरपाल के जीवन अनुभवों पर **टिप्पणी** लिखें। 4

उः

<u>मेहनती मोरपालः गरीबी और बालश्रम का शिकार</u>

मोरपाल लेखक मिहिर पाण्डेय का मित्र था। वह एक अच्छा लड़का था जो पढ़ना बहुत पसंद करता था।

मोरपाल के माँ–बाप गरीब लोग थे और वे खेत–मज़ूरी करके ज़िंदगी चलानेवाले थे। इसलिए इसका प्रभाव मोरपाल के जीवन पर भी बहुत पड़ा। वह स्कूल जाना और पढ़ाई करना बहुत चाहता

था। लेकिन अपने परिवार की आर्थिक स्थिति उसे रोज़ स्कूल जाने में भी कठिनाई प्रदान करती थी। उसका प्रिय मित्र था मिहिर। दोनों एक ही कक्षा में दरीपट्टी पर पास–पास बैठते थे। उसे यूनिफार्म पहनना बहुत पसंद था। वास्तव में उसके पास यूनिफार्म के अलावा कोई अच्छा कपड़ा ही नहीं था। इसीलिए वह शादी में भी यूनिफार्म पहनकर ही जाया करता था। उसका घर स्कूल से पन्द्रह किलोमीटर दूर था। वह साइकिल चलाता हुआ स्कूल तक आता था। वह बड़े डिब्बे में छाछ ले जाता था। उसका मित्र मिहिर छाछ बहुत चाहता था। इसलिए खेलघंटी में छाछ का डिब्बा मिहिर को देकर उसका राजमा–चावल खाता था। गरीब परिवार का मोरपाल राजमा पहले खाया भी नहीं था। लेकिन मिहिर अमीर परिवार का लड़का था, इसलिए उसके घर में राजमा सामान्य–सी चीज़ थी। परिवार की गरीबी के कारण उसकी पढ़ाई छुड़वा दी जाती है, और शेष जीवन में वह माँ–बाप के साथ खेत–मज़ूरी करता है।

मोरपाल के जीवन अनुभवों को प्रस्तुत करने में लेखक मिहिर बिलकुल सफल हुआ है। मोरपाल हमारे देश के ऐसे करोड़ों गरीब बच्चों का प्रतिनिध है। सभी बच्चों को पढ़ाई का अवसर मिलें और वे सब बालश्रम से मुक्त हो जाएँ।

सूचनाः 'आई एम कलाम के बहाने' फ़िल्मी लेख का यह अंश पढ़ें और 18 से 20 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

एक बार मुझे याद है कि मोहल्ले की किसी शादी में भी उसे वही नीली–खाकी यूनिफार्म पहने देख मैं हैरान रह गया था।

21. यहाँ 'मैं' कौन है? 1
    उः यहाँ 'मैं' लेखक मिहिर हैं।
22. शादी में भी यूनिफार्म पहनकर कौन आया था? 1
    उः मोरपाल शादी में भी यूनिफार्म पहनकर आया था।
23. मोरपाल की आर्थिक दशा के संबंध में आप क्या जानते हैं?
    (आर्थिक दशा–സാമ്പത്തിക സ്ഥിതി) 2
    उः मोरपाल के माँ–बाप गरीब लोग थे और इसका प्रभाव मोरपाल के जीवन पर भी बहुत पड़ा। अपने परिवार की आर्थिक स्थिति उसे रोज़ स्कूल जाने में भी कठिनाई प्रदान करती थी। वास्तव में उसके पास यूनिफार्म के अलावा अच्छा कपड़ा ही नहीं था। परिवार की गरीबी के कारण उसकी पढ़ाई छुड़वा दी जाती है, और शेष जीवन में वह माँ–बाप के साथ खेत–मज़ूरी करता है।

सूचनाः कोष्ठक से उचित रूप चुनकर वाक्य की पूर्ति करें।

24. मैं घर से दूर अकेला रहूँगा। वह घर से दूर अकेला .....। (रहेंगे, रहेगा, रहोगे) 1
    उः वह घर से दूर अकेला रहेगा।

सूचनाः 'आई एम कलाम के बहाने' फ़िल्मी लेख का यह अंश पढ़ें और 25 से 28 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

मोरपाल का स्कूल आठवीं के बाद छूट जाता है (छुड़वा दिया जाता है) और वह अपने पिता की तरह आज भी वही खेत–मजूरी करता है।

25. मोरपाल की पढ़ाई आठवीं के बाद क्यों छूट गई? 2

उः मोरपाल एक गरीब परिवार का लड़का है। उसके माँ–बाप खेत मज़ूरी करके ज़िंदगी चलानेवाले हैं। आर्थिक कठिनाई के कारण वे मोरपाल को पढ़ाने नहीं भेजता। इसलिए उसकी पढ़ाई आठवीं के बाद छूट गई।

26. स्कूल 'छुड़वा दिया जाता है'– किससे? (पिता से, मिहिर से, सहपाठी से) 1

उः पिता से

27. मोरपाल की इस हालत पर आपका विचार क्या है? 2

उः मोरपाल गरीब परिवार का लड़का है। लेकिन वह पढ़ना और स्कूल जाना बहुत पसंद करता है। परिवार की आर्थिक कठिनाई से मोरपाल की पढ़ाई छूट जाती है। ऐसा नहीं होना चाहिए। मोरपाल के जैसे सभी बच्चों को स्कूल में पढ़ने की सुविधा मिलनी चाहिए।

28. बालश्रम को रोकने का संदेश देते हुए एक **पोस्टर** तैयार करें। 4

उः 1

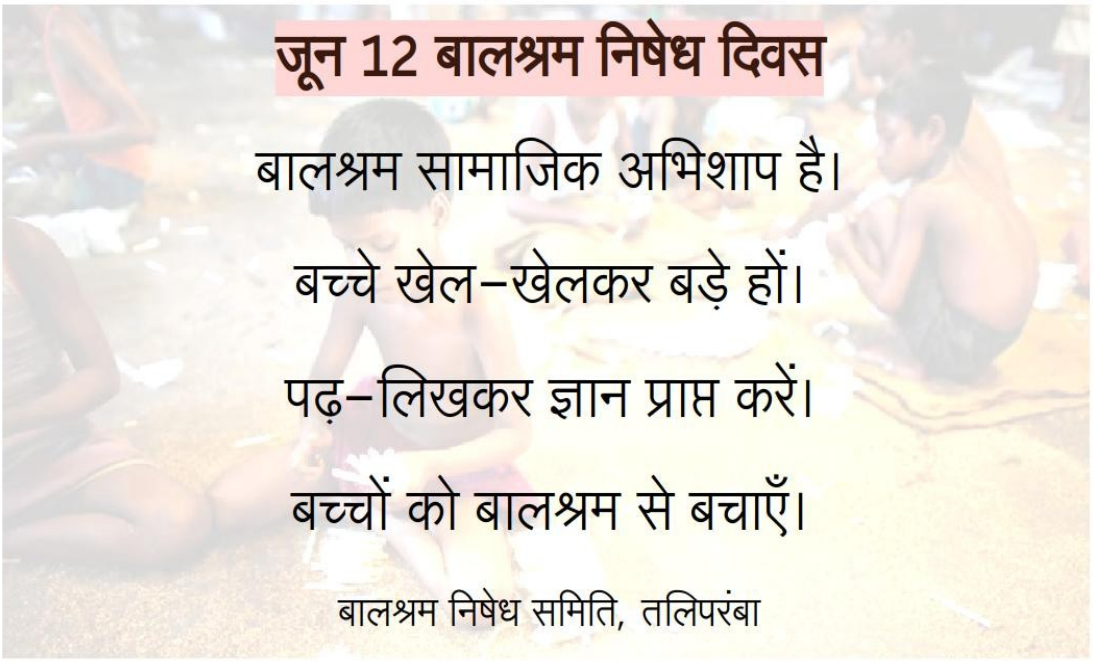

उः 2

जून 12 बालश्रम निषेध दिवस

- ***आज के बच्चे कल के नागरिक हैं।***
- ***बच्चे खेल–खेलकर बड़े हों।***
- ***पढ़–पढ़कर ज्ञान प्राप्त करें।***
- ***बालश्रम के कारण बच्चे बचपन से वंचित रहते हैं।***
- ***बालश्रम रोक दें, बचपन वापस दें।***

बालश्रम निषेध समिति, कण्णूर

सूचनाः 'सबसे बड़ा शो मैन' नामक जीवनी का अंश पढ़ें 29 से 31 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

कहीं से कुछ लोग म्याउं–म्याउं की आवाज़ निकालने लगे। इस अभद्र शोर ने माँ को स्टेज से हटने को मज़बूर कर दिया।

29. यहाँ 'अभद्र शोर' क्या है? 1

उः चार्ली की माँ गीत गाते समय उसकी आवाज़ फट गई और दर्शक शोर मचाने और म्याऊं–म्याऊं की आवाज़ निकालने लगे। इसे अभद्र शोर कहा गया है।

30. लोग क्यों शोर मचा रहे थे? 2

उः गीत गाते समय चार्ली की माँ की आवाज़ फटी तब दर्शकों ने सोचा कि माइक खराब है। लेकिन फुसफुसाहट ज़ारी रही तो वे लोग शोर मचाने और म्याऊं–म्याऊं की आवाज़ निकालने लगे।

31. इस प्रसंग पर चार्ली की माँ की **डायरी** लिखें। 4

उः चार्ली की माँ की **डायरी** **4**

तारीखः.....

आज मेरी जिंदगी में एक विचित्र घटना हुई। जब मैं स्टेज पर गाना गा रही थी तब मेरी आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में बदल गई। पहले दर्शक लोग सोच रहे थे कि माइक खराब है। लेकिन जब उन्हें पता चला कि मैं गा नहीं पा रही हूँ वे म्याऊँ–म्याऊँ करने लगे, हल्ला मचाने लगे। हे भगवान! मैं बहुत डर गई थी। मेरे सामने कोई उपाय नहीं था। मैं ने स्टेज छोड़ दिया। मैनेजर ने मुझे मज़बूर करके स्टेज पर भेजा। क्योंकि उन्होंने चार्ली को गीत गाते हुए, अभिनय करते हुए और किसी का नकल उतारते हुए देखा था। चार्ली ने गीत गाना शुरू किया। पहले उसका गाना आर्कस्ट्रा के साथ नहीं चल रहा था। लेकिन जल्दी ही ठीक हो गया। उसने गीत गाकर, अभिनय करके और नकल उतारकर दर्शकों को बहुत खुश किया। नकल उतारते समय मेरी फटी आवाज़ को भी उसने नहीं छोड़ा था। स्टेज पर पैसों की बौछार हुई। उस प्रकार मैं अपमान से बच गई। सभी लोग मेरे पास आकर बेटे की तारीफ करने लगे। आज का दिन मेरे लिए एक विशेष दिन था।

निर्देशः नमूने के अनुसार वाक्य की पूर्ति करें।

32. <u>लोग</u> चिल्लाने <u>लगे</u>। <u>लड़का</u> चिल्लाने ..... । (लगा, लगे, लगी) 1

उः लड़का चिल्लाने लगा।

सूचनाः 'अकाल और उसके बाद' नामक कविता का यह अंश पढ़कर प्रश्न 33 का उत्तर लिखें।

कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास
कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उसके पास

33. कविता के **आशय पर टिप्पणी** तैयार करें। 4

उः

ये पंक्तियाँ हिंदी के प्रसिद्ध कवि नागार्जुन की कविता अकाल और उसके बाद से ली गई हैं। इस कवितांश के द्वारा कवि यह बताना चाहते हैं कि अकाल का प्रभाव मनुष्यों पर ही नहीं छोटे–छोटे जीव–जंतुओं पर भी किस हद तक होता है।

कवि इस कविता के द्वारा यह व्यक्त करना चाहते हैं कि अकाल के कारण घर के मानवों के साथ उस घर में रहनेवाले विभिन्न जीव–जंतुओं पर भी पड़ता है। यदि घर का चूल्हा जलता है और खाना पकाया जाता है तो उसका एक छोटा–सा अंश उस घर में रहनेवाले विभिन्न प्रकार के (छोटे–से–छोटे से लेकर बड़े तक) जीव–जंतुओं को मिलता है। घर में खाना न पकाने के कारण चूल्हा रोने लगा और चक्की उदास रहने लगी। उसके पास ही कानी कुतिया उदास सोती है। खाने की तलाश में छिपकलियाँ दीवार पर इधर–उधर भागने लगी। चूहों की भी हालत भिन्न नहीं है।

परिवारों की गरीबी और आर्थिक कठिनाई का असर उस परिवार या घर के सभी पर पड़ता है। साधारणतः अकाल किसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण, युद्ध के कारण या महामारी के कारण होता है। अकाल से पीड़ित घर की शोचनीय दशा का मार्मिक वर्णन करनेवाला यह कवितांश बिलकुल अच्छा और प्रासंगिक है। हम कह सकते हैं कि कवि के वैयक्तिक जीवन का अनुभव इसे और भी मार्मिक बनाने में सहायक बना है।

34. **सही जोड़े लगाएँ।** 3

ब्राह्मण देवता	एक के पाँच लेंगे।
ठाकुर	आशीर्वाद देंगे।
साहूजी	लाठी मारेंगे।

उः

ब्राह्मण देवता	आशीर्वाद देंगे।
ठाकुर	लाठी मारेंगे।
साहूजी	एक के पाँच लेंगे।

सूचनाः 'बसंत मेरे गाँव का' नामक लेख का यह अंश पढ़ें और प्रश्न 35 और 36 के उत्तर लिखें।

उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में फूलदेई से बड़ा बच्चों का कोई दूसरा त्यौहार नहीं है।

35. फूलदेई किस ऋतु में मनाया जाता है? 1

उः फूलदेई का त्यौहार बसंत ऋतु में मनाया जाता है।

36. बच्चों को दक्षिणा के रूप में क्या–क्या मिलते हैं? 1

उः बच्चों को दक्षिणा के रूप में गुड़, दाल, चावल आदि मिलते हैं।

सूचनाः 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता का यह अंश पढ़ें और प्रश्न 37 और 38 के उत्तर लिखें।

सारे मैदान, सारे बगीचे और घरों के आँगन
खत्म हो गए हैं एकाएक
तो फिर बचा ही क्या है इस दुनिया में

37. मैदान, बगीचे और घरों के आँगन किसके लिए महत्वपूर्ण है? 1

उः मैदान, बगीचे और घरों के आँगन प्रायः बच्चों के खेलने की जगहों के रूप में महत्वपूर्ण हैं।

38. कविता में चर्चित मुख्य समस्या क्या है? (बेरोज़गारी, जातीय असमानता, बालश्रम) 1

उः बालश्रम

सूचनाः 'गुठली तो पराई है' कहानी का यह अंश पढ़ें और प्रश्न 39 और 40 के उत्तर लिखें।

"देखिए भइया मेरा नाम कार्ड में छपवाना भूल गया? " ताऊजी बोले "भूला नहीं है रे.... अपने घर की छोरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते।"

39. यहाँ गुठली किस बात की शिकायत कर रही है? 1

उः यहाँ गुठली शिकायत कर रही है कि दीदी की शादी के कार्ड में उसका नाम छपवाना भूल गया।

40. ताऊजी के अनुसार किनके नाम कार्ड पर नहीं छपते हैं? 1

उः ताऊजी के अनुसार घर की छोरियों (लड़कियों) के नाम शादी की कार्ड पर नहीं छपते।

41. **सही मिलान** करेंः 4

बीरबहूटी	प्रेमचंद
बच्चे काम पर जा रहे हैं	मुकेश नौटियाल
ठाकुर का कुआँ	राजेश जोशी
बसंत मेरे गाँव का	प्रभात

उः

बीरबहूटी	प्रभात
बच्चे काम पर जा रहे हैं	राजेश जोशी
ठाकुर का कुआँ	प्रेमचंद
बसंत मेरे गाँव का	मुकेश नौटियाल

सूचनाः 'दिशाहीन दिशा' पाठ का यह अंश पढ़ें और प्रश्न 42 और 43 के उत्तर लिखें।

रात को ग्यारह के बाद हम लोग घूमने निकले। घूमते हुए भोपाल ताल के पास पहुँचे तो मन हो आया कि नाव लेकर कुछ देर झील की सैर की जाए।

42. लेखक के साथ कौन था? 1

उः लेखक मोहन राकेश के साथ उनका मित्र अविनाश था।

43. नाविक का नाम क्या था? वह कैसा आदमी था? 2

उः नाविक का नाम अब्दुल जब्बार था। वह एक गरीब आदमी था, अच्छी तरह गज़लें सुनानेवाला एक बुज़ुर्ग था। गरीबी के कारण कड़ी मेहनत करनेवाला था।